2019-20 3.5.3 MOU August 19

MP-Bhoj (3)

"अनुबंधपत्र"

मध्यप्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय अधिनियम 1991 की धारा (viii) (ix) के प्रावधान के अन्तर्गत परिनियम 11 के परिपालन में यह अनुबंध पत्र मध्यप्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय, कोलार रोड, भोपाल द्वारा अपने क्षेत्रीय केन्द्र.....भोपाल..... के अन्तर्गत नवीन अध्ययन केन्द्र प्रारंम्भ करने के लिये दोनों पक्षों के मध्य किया जा रहाहै।

प्रथम पक्षः मध्यप्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय, भोपाल

द्वितीय पक्षः शासकीय (परिशिष्ट 01 के अनुसार)/अशासकीय महाविद्यालय (प्रबंध मण्डल द्वारा अनुमोदित होने के उपंरात)

अनुबंध की शर्ते निम्नानुसार हैः–

1. संस्था के प्राचार्य अध्ययन केन्द्र के केन्द्राध्यक्ष के रूप में कार्य करेगें। प्राचार्य के त्यागपत्र देने या उनके स्थान पर अन्य व्यक्ति पदस्थ हो जाने पर नये प्राचार्य अध्ययन केन्द्र के केन्द्राध्यक्ष के रूप में कार्य करेगें। पूर्व प्राचार्य को अध्ययन केन्द्र स्थापित करने की पात्रता तथा केन्द्राध्यक्ष के रूप में मान्य करने हेतु मध्यप्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय का निर्णय अंतिम होगा। केन्द्राध्यक्ष अपने स्तर पर अपने सहयोग के लिये एक समन्वयक की नियुक्ति कर सकता है। जो महाविद्यालय में पदस्थ कोई वरिष्ठ प्राध्यापक स्तर का हो।

2. अध्ययन केन्द्र के संचालन के लिये, अध्ययन केन्द्र, मध्यप्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय की ओर निम्नलिखित उन सभी कार्यो को संपादित करेगा जो मध्यप्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय द्वारा समय–समंय पर आवश्यकता एवं परिस्थिति वश संसूचित किये जायेगें।

(1) विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित प्रवेश प्रक्रिया कर प्रवेश फार्म की प्रथम एवं द्वितीय प्रति सम्पूर्ण अभिलेखो सहित क्रमशः क्षेत्रीय केन्द्र और मध्यप्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय के मुख्यालय में निर्धारित समय सीमा में उपलब्ध कराना सुनिश्चित करते हुये प्रवेश फार्म की तृतीय प्रति को अपने अध्ययन केन्द्र में सम्पूर्ण अभिलेख सहित सुरक्षित रखेगें।

(2) मध्यप्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय से प्राप्त अध्ययन सामग्री को विद्यार्थियों में वितरित कर यह सुनिश्चित करना की सभी प्रविष्ट विद्यार्थियों को अध्ययन सामग्री उपलब्ध हो गई। यदि नही हुई हो तो शीघ्र प्राप्त करने के लिये प्रयास करने का दायित्व अध्ययन केन्द्र का होगा, ताकि विद्यार्थियों को अध्ययन में किसी प्रकार का अवरोध न हो।

(3) शैक्षणिक सत्र में प्रत्येक विषय के 13 सैद्धांतिक कालखण्डों की तथा जिन विषयों में प्रायोगिक कार्य हो उनकी भी 13 कालखण्डों की प्रायोगिक सम्पर्क कक्षाऐं विश्वविद्यालय के अध्यादेश 60/61 के अनुसार लगाने का दायित्व अध्ययन केन्द्र का होगा। साथ ही इसकी सूचना विश्वविद्यालय सहित संबंधित क्षेत्रीय केन्द्र व विद्यार्थियों को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करेगें।

(4) प्रवेशित विद्यार्थियों से सत्रीय उत्तरपुस्तिकाऐं निर्धारित समय सीमा में जमा करा कर क्षेत्रीय केन्द्र को भिजवाने का दायित्व भी अध्ययन केन्द्र का होगा।

(5) प्रवेशित विद्यार्थियों के लिये सैद्धांतिक एवं प्रायोगिक सम्पर्क कक्षाओं तथा संत्रात परीक्षा के दोरान पूर्ण स्वच्छ, हवा प्रकाश, जल, शौचालय (छात्र–छात्रायें का अलग अलग) एवं अन्य मूलभूत सुविधाऐं जो अध्ययन केन्द्र के लिये आवश्यक हो तो उपलब्ध कराने का दायित्व भी अध्ययन केन्द्र का होगा।

(6) अध्ययन केन्द्र के केन्द्राध्यक्ष एवं मुख्य स्टाफ सदस्य जैसे समन्वयक, शिक्षकों, एक लिपिक आदि सभी को विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित मानदेय राशि का भुगतान विश्वविद्यालय के नियमानुसार किया जायेगा।

(7) अध्ययन केन्द्र विद्यार्थियों से विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित शुल्क के अतिरिक्त अन्य कोई भी राशि प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष किसी भी रूप में प्राप्त नहीं करेगा।

(8) अध्ययन केन्द्र के लिए आंशिक अधोसंरचना फर्नीचर, कम्प्यूटर इत्यादि में जो व्यय होगा उसकी प्रतिपूर्ति प्रथम पक्षः विश्वविद्यालय द्वारा की जायेगी।

(9) महाविद्यालय में कुल पंजीकृत विद्यार्थियों से प्राप्त शुल्क का प्रोराटा के आधार पर 80 प्रतिशत विश्वविद्यालय में तथा 20 प्रतिशत महाविद्यालय की जनभागीदारी समिति के अकाउण्ट में स्थानांतरित की जायेगी इस राशि में सम्पर्क कक्षायें तथा परीक्षा संचालन शामिल है। जिसका उपयोगिता प्रमाण पत्र अध्ययन केन्द्र द्वारा विश्वविद्यालय को प्रस्तुत करना होगा।

(10) जिन महाविद्यालयों में मध्यप्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय के अध्ययन केन्द्र स्थानांतरित/स्थापित किये जा रहें है उनकी सूची परिशिष्ट 01 में संलग्न है।

(11) किन्तु यह भी कि किसी महाविद्यालय केन्द्र में विद्यार्थियों का प्रवेश कम संख्या में होता है। ऐसी स्थिति में सम्पर्क कक्षाओं एवं परीक्षा संचालन के व्यय की राशि तथा शुल्क असादान की अन्तर राशि की प्रतिपूर्ति विश्वविद्यालय के द्वारा की जादेगी।

(12) अध्ययन केन्द्र के अस्तित्व एवं निरंतरता को बनाये रखने के लिये विद्यार्थियों के लिये उचित अध्ययन कक्षों, प्रयोगशालाओं एवं अन्य सुविधाओं को प्रदान करने का दायित्व अध्ययन केन्द्र का होगा।

(13) मध्यप्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय द्वारा जो मुक्त शिक्षा के उद्देश्य एवं लक्ष्य की पूर्ति हेतु समय–समय पर आवश्यक आदेश/निर्देश/शर्तें जारी किये जाऐगें, उनका पालन करना अध्ययन केन्द्र का दायित्व होगा।

(14) मध्यप्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय द्वारा गठित दल को अध्ययन केन्द्र द्वारा संचालित समस्त गतिविधियों सहित अभिलेखो एंव परीक्षा आदि के निरीक्षण मे सहयोग करना अध्ययन केन्द्र का दायित्व होगा।

निम्नलिखित परिस्थितियों में विश्वविद्यालय को अध्ययन केन्द्र की मान्यता निरस्त करने का अधिकार रहेगाः–

1. अध्ययन केन्द्र मान्यता प्रावधानों के अनुरूप संचालित नहीं किया जा रहा हो।
2. अध्ययन केन्द्र में किसी भी प्रकार की अनियमितता या असामाजिक गतिविधियों में लिप्त होने पर।

3. अध्ययन केन्द्र द्वारा प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से प्रवेशित विद्यार्थियों से विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित शुल्क के अतिरिक्त कोई ऐसी राशि ली जा रही हो जो अनुबंध की शर्तो में विहित प्रावधानों के विपरीत हो।
4. विश्वविद्यालय के नियमानुसार सम्पर्क कक्षाओं का संचालन नहीं किया गया तो मान्यता निरस्त।
5. सत्रीय कार्य तथा संत्रात परीक्षाओं का संचालन सुचारू रूप से नहीं किया जा रहा हो।
6. विश्वविद्यालय द्वारा पंजीकृत विद्यार्थीयों के लिये प्रदत्त अध्ययन सामग्री का नियमानुसार विद्यार्थियों में वितरण नहीं किया जा रहा हो।
7. विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित प्रवेश के नियमों का उल्लंघन किया जा रहा हो।
8. अध्ययन केन्द्र द्वारा लेखा का संधारण विश्वविद्यालय नियमानुसार नहीं किया जा रहा हो।
9. ऐसी निजी संस्था जो समिति द्वारा संचालित है द्वारा अपनी मूल समिति को बिना विश्वविद्यालय की अनुमति के अन्य समिति में विलय कर देती है।
10. बिना किसी पूर्व सूचना एवं अनुमति के अध्ययन केन्द्र का स्थान परिवर्तन किये जाने पर।

उपरोक्त कारणों के अतिरिक्त भी विश्वविद्यालय यदि किसी बिन्दु पर असंतुष्ट है तो मान्यता रद् कर सकता है किन्तु ऐसे किये जाने के पूर्व संबंधित संस्था को पूर्ण सुनवाई का अवसर प्रदान किया जायेगा।

3. इस अनुबंध की तीन मूल प्रतियाँ हस्ताक्षर की जा रही है। जिसकी एक प्रति कुलसचिव, मध्यप्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय, कोलार रोड, भोपाल को दूसरी प्रति द्वितीय पक्षकार..को एवं तृतीय प्रति क्षेत्रीय निदेशक, क्षेत्रीय केन्द्र..........................के अधिपत्य में संधारित की जा रही है जो कि समयानुसार कार्यवाही में उपयोग की जा सकेगी।
4. इस अनुबंध के प्रत्येक पृष्ठों पर दोनो पक्षकारो द्वारा हस्ताक्षर किये जा रहे है एवं किसी पृष्ठ में कोई काट–छाट नहीं है।
5. अध्ययन केन्द्रों के केन्द्राध्यक्ष/उपकेन्द्राध्यक्ष व अन्य नियुक्तियों को दिये जाने वाले मानदेय एंव अन्य संबंधित विषयों के निर्णय हेतु परीनियम 11 में दर्शायी गयी समिति अधिकृत होगी।

यह अनुबंध आज दिनांक ...13/8/19.......को दोनो पक्षो की सहमति में पूर्ण होशोहवास में एवं गवाहो की उपस्थिति में किया जा रहा है एवं उक्त शर्तो को दोनो पक्षो द्वारा मान्य किया जा रहा है।

कुलसचिव
मध्यप्रदेशभोज (मुक्त) विश्वविद्यालय,
भोपाल

प्राचार्य
शासकीय महाविद्यालय

गवाह

गवाह

1............13/8/19......(डॉ० मुकेश दिक्षित)
2..............................

2019-20 — (4)

MEMORANDUM OF UNDERSTANDING

This Memorandum of Understanding (this "MoU") is entered into upon this date **17 July 2019**by and betweenThe Chancellor, Master and Scholars of the University of Cambridge through its departments, the University of Cambridge Local Examinations Syndicate and Cambridge English, of The Triangle Building, Shaftesbury Road, Cambridge, CB2 8EA, UK, (**"Cambridge Assessment English"**)and Department of Higher Education, Government of Madhya Pradesh (in short MPHE) with respect to the desire by the parties to consider collaboration with each other on various potential projects and to specify basic intentions regarding such collaboration on English language projects.

Cambridge Assessment English is the world's leading authority on English language testing for all learners of English and qualifications for English language teachers. Cambridge English tests are globally recognised as high-quality assessments which have a positive impact on the learning of English. Cambridge English works with partners in India to promote the use of standardised international assessments as a benchmark to improve the learning and teaching of Englishand is keen to work with their institutions to give their teachers and students access to international English qualifications in addition to providing the facility to other Institutions having partnership with Cambridge Assessment English on mutual consent.

Department of Higher Education is an integral part of Government of Madhya Pradesh tasked with the development of Higher Education institutions and improve the future prospects of graduates from MP.

In consideration of discussions between the parties and mutual promises and conditions in this MoU, the parties agree as follows:

Except as described herein, the terms of this MoU are intended as indications of interest only and are non-binding; although it is the intent of the parties that their collaborative project discussions proceed based on this MoU, the obligations of the parties to agree any project and the terms thereof shall be subject to the negotiation, execution, and delivery of project agreements.

SCOPE OF GLOBAL COLLABORATION

The parties agree to discuss in good faith the following projects:

1. **The main aims forCambridge English and MPHE are**

   a. To enhance the employability of students from Government Colleges and Universities across the state of MP by upgrading their English Language communication Skills.
   b. To improve the provision of English language training in the state of MP by upgrading the training skills of the trainers.
   c. To introduce a standardised international testing system for English which is linked to the Common European Framework of Reference (CEFR) benchmarks across students and teachers from MP
   d. To organise joint conferences / roadshows / seminar / teacher support workshops / short term training programmes related to English language teaching
   e. To implement a pilot programme in the academic year 2019-20 as per attached timeline. (Appendix-1)

2. **Cambridge English through its authorised representatives, will:**

   a. Provide MPHE with appropriate guidance on any issue relating to learning and teaching of English for its students and teachers.

   b. Organise Workshop for Trainers to enable them to improve their teaching methodology and prepare candidates for the Cambridge English exams. Provide relevant training manuals to the trainers.

   c. To provide digital learning resources to support learning of the students.

   d. Organise student seminars to share information on the importance of English language skills and enhancement of employability prospects.

   e. Permit MPHE to use Cambridge English logo on the brochure of any joint event related to this programme.

   f. Share costs with the MPHE for agreed list of activities during the pilot stage.

   g. Support the delivery of the programme in the agreed districts of MP.

2. **MPHE through its authorised representatives, will:**

   a. Adopt the following Cambridge English Certifications:for MPHE regulated Universities and Colleges.

      - **B1 Level for Students**
      - **Pedagogy Modules under Cambridge Teaching Knowledge Test (TKT) Modules**

   b. Ensure Cambridge English examinations are taken by **2000** learners and **100** teachers in the year 2019-20, during the pilot stage.

c. Agree to create Cambridge Assessment English Programme Monitoring Cell for effective implementation and execution of this project within the MPHE.

f. Support the delivery and monitoring of the programme across the state of MP by enabling Teacher Training and student learning programmes.

g. Share costs with Cambridge for agreed list of activities during the pilot stage.

THE DESIGNATED POINT OF CONTACTS ARE:

FOR CAMBRIDGE ASSESSMENT ENGLISH:
Joshua Gnanakkan, Client Relations Manager – West India

FOR DEPARTMENT OF HIGHER EDUCATION, GOVERNMENT MADHYA PRADESH:
COMMISSIONER OF HIGHER EDUCATION

NON-DISCLOSURE, CONFIDENTIAL INFORMATION AND GENERAL TERMS

In furtherance of the intentions of this MoU, the parties agree to be bound by the following:

The parties agree that neither shall disclose to any person, other than their own employees, officers, directors or agents having a reasonable need to know same (and those of their affiliated companies), any Confidential Information that has been disclosed to it by the other party, directly or indirectly, nor use same in any way either during the term of this Agreement or at any time thereafter without the express written authority of the other party, and to promptly return all Confidential Information upon termination of this MoU and written request by the other party.

For purposes of this Agreement, "Confidential Information" shall mean information that is proprietary as to the Party hereto which discloses same and is not generally known to the public or cannot be obtained other than through the Party disclosing same. This includes, but is not limited to, financial information regarding either Party, strategic business plans, marketing strategies, trade secrets consisting of programs, methods, formulae, processes, patterns, devices and compilations of information, records and specifications which have been developed or are owned by the disclosing Party. Confidential Information that subsequently becomes public information as a result of the actions of the disclosing Party shall thereupon no longer be considered confidential for purposes of this Agreement.

MPHEwill ensure the performance of the obligations of its, subsidiaries and/or affiliates arising under or related to any subsequent project agreement. This MoU will be effective as of the date first above written until receipt by one party of

express written notice of termination of this MoU from the other party, except that the provision for nondisclosure of Confidential Information and for ensuring the obligations of any subsidiary and/or affiliate under any subsequent project agreement will survive this MoU. The terms of this MoU are governed by Indian law and subject to jurisdiction of the Indian courts. The parties will pay all of their own costs related to the intentions and terms of this MoU, except as otherwise stated in any project agreement between the parties. Nothing in this MoU shall be construed as creating a joint venture, partnership, a contract of employment, the relationship of supplier and purchaser or a relationship of principal and agent between the parties. Neither party shall disclose the terms of this MoU nor make any announcement relating to this MoU or its subject matter without the prior written approval of the other party. This MoU may be executed in one or more counterparts each of which when executed and delivered electronically or in hardcopy shall be deemed an original, but all of which taken together shall constitute one and the same document.

Mr. Liam Vint
Deputy Director, Global Network
Cambridge Assessment English

CAMBRIDGE ASSESSMENT ENGLISH

Mr. Raghwendra Kumar Singh IAS
Commissioner, Higher Education
Government of Madhya Pradesh

Appendix - 1
Timeline for the Project

Districts

Bhopal, Indore, Gwalior, Jabalpur, Chhindwara, Ujjain, Singarauli, Dewas, Dhar, Chhatarpur, Raisen

Teachers Pathway

S No	Activity	Timeline
1	Sharing Minimum Professional Requirement's to potential teachers and inviting applications	1 – 13 August
2	Last date for receipt of Applications	13 August
3	Inviting 200 teachers to take up the Online Placement Test	16 – 23 August
4	Shortlisting 100 teachers for training and communication	29 August
5	3 batches of Teacher Training in Bhopal – 5 days of training	3 – 14 September
6	Teacher Certification on last date of training	7/14 September
7	Commencement of student Training	2 October onwards
8	Support and Monitoring to trainers by Cambridge	Oct – Nov 2019

Students Pathway

S No	Activity	Timeline
1	Student Seminars and Online screening	3 – 14 September
2	Shortlisting of students and formation of batches	20 September
3	Announcing the batches and commencement of training	2 October
4	10 Weeks of training (3 sessions days per week)	2 hours per session per day
5	Student Online Certification	26 – 31 December
6	Certificate distribution to students	10 – 20 January